Regarding rising incidents of student committing suicide and need to amend RTE act

SHRI VISHALDADA PRAKASHBAPU PATIL (SANGLI): Thank you, Madam Chairperson.

Madam, through you, I would like to draw the attention of the House to the pressures being faced by school-going children in India. Shourya Pradeep Patil, who originally belonged to Dhawaleshwar village in Khanapur Tehsil of my Sangli constituency, committed suicide owing to the tortures and harassments of his teachers. He was a student of St. Columbas School in Delhi. An FIR has been filed, but no arrest is made.

Madam, suicides have grown from 8000 to 13,000 in the past decade. आरटीई मेनडेट करता है कि आपको 25 टके स्टूडेंट्स अदर कम्युनिटी से लेने पड़ते हैं । लेकिन स्कूल्स नहीं चाहते हैं कि बच्चे वहां पढ़े, इसलिए उनको टॉर्चर किया जाता है और उनको स्कूल से छुड़वाया जाता है । So, I urge the Government to intervene in this matter and get these people arrested.

टीचर्स का एक एग्जाम्पल सैट करना पड़ेगा, ताकि आगे से टीचर कभी किसी स्टूडेंट को अगर तकलीफ देते हैं या खुद का फ्रस्ट्रेशन उस पर निकालते हैं तो वे दो बार सोचें ।

मैडम, मेरी एक और मांग है । प्राइवेट स्कूल्स, जो 25 टके बच्चों को लेकर और उनको निकालने के लिए प्रेशर डालते हैं, उनका इनवैस्टिगेशन भी होना चाहिए । आरटीई एक्ट में बदलाव लाने चाहिए । जो स्कूल्स ऐसे लूपहोल्स का फायदा उठाते हैं, वे आगे से न ले पाए । शौर्य प्रदीप पाटील को न्याय मिलना चाहिए ।